Rule 5 of the Central Silk Board Rules, 1955, this House do proceed to elect, in such a manner as the Chairman may direct, one member from among the Members of the House to be a member of the Central Silk Board."

The question was put and the motion was adopted.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Purchasing of the Coffins/Caskets at a higher price during the Kargil war

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) . आदरणीय सभापति महोदय, ताबूत घोटाले से कारगिल मे हमारे शहीदो ने जो शहादत दी थी **...** (**व्यवधान**)..

श्री संघ प्रिय गौतम . यह बहुत पुरानी बात है । **...**(**व्यवधान**)..

MR. CHAIRMAN: I have permitted him. *...(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरी : अगर शहीदों की बात कहने से भी इन्हें शर्मिंदगी होती है तो यह और भी शर्मिंदगी वाली बात है ।

श्री राजीव रंजन सिंह '**ललन**' . जो पार्लियामेंटरी कमेटी के सामने है, जो पब्लिक अकाउंट्स कमेटी के सामने है**...**(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Let me hear. *...(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरीः मान्यवर, मै आपकी आज्ञा से कह रहा हूं । **...** मै आपका अनुगृहित हूं कि आपने बहुत भावुक , गंभीर और घोटाले मसले पर मुझे बोलने की अनुमति प्रदान की । मै यह आग्रह कर रहा था कि ताबूत घोटाले से कारगिल मे हमारे जवानो ने जो शहादत दी है, उससे निश्चित रूप से जो और भी भ्रष्टाचार की परते खुली है , उससे हम सब आहत हुए है और शहादत भी आहत हुई है । मान्यवर, शहीद तो नही बोलते परन्तु ताबूत खरीदी का भ्रष्टाचार बोलता जा रहा है । आए दिन इस ताबुत खरीदि के संबंध मे जो समाचार आ रहे है , वह अत्यंत गंभीर है । मै आपका ध्यान आज के एक समाचार पत्र , टाइम्स ऑफ इंडिया मे जो समाचार प्रकाशित हुआ है, उसकी ओर दिलाना चाहता हूं कि "Kargil coffins bought at twice US price." 'मान्यवर' , पहले यह बताया गया था कि जो ताबुत खरीदी वाला मामला था, उसमे जो मूल्य आंके गए थे, वह 2700 डॉलर एक-एक ताबूत के मूल्य आंके गये थे । बाद मे जो लगभग पांच सौ ताबूतो की खरीदी हुई , वह 2500 डॉलर की हुई लेकिन आज जो समाचार प्रकाशित हुआ है, उसमे यू.एस. डिफ़ेंस प्रोक्योरमेंट एजेंसी ने यह बताया कि ऎल्यूमीनियम कैसकेट संबंधी ताबूत की खरीदी संबंधी जो दाम थे, वह एक हजार दो सौ डॉलर के ही थे ।

मै इस सदन मे यह मुद्दा उठाते हुए यह कहना चाहता हूं कि सरकार द्वारा यह बताया गया था कि मात्र एक ही कंपनी है ब्यूट्रोन एंड बैजा । मै जानना चाहता हूं कि जिन दो अन्य कंपनियों का जिक्र इस समाचार मे किया गया है डेल्टा इंडस्ट्रीज और र्डटन मैन्यू फैक्चरिंग कंपनी,

क्या उनसे सरकार ने यह पॉसिबिलिटी एक्सप्लोर की थी कि वे ताबूत दे सकते है और यदि दे सकते है तो कितने दामो मे दे सकते है ? क्योंकि जो दूसरी अन्य कंपनियों और डिफ़ेंस प्रोक्योरमेंट एजेंसी का मैने जिक्र किया है, उन्होने 70 ताबूतो का मूल्य केवल 1200 डॉलर ही आंका है जबकि जो खरीदी हमारे हिंदुस्तान मे हुई है , वह 500 ताबूतो की हुई है, जो ज्यादा है और उसकी कीमत और कम होनी चाहिए लेकिन कीमत ज्यादा बताई गई है । महोदय, मै इस मुद्दे से हटकर एक और दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा यहां उठाना चाहता हूं । **...(व्यवधान)**...

SHRI KAPIL SIBAL (Bihar): Mr. Chairman, Sir, I may be permitted to state that, yesterday, a very serious development had taken place. One Mr. R.N. Tiwari, a Public Prosecutor, had lodged an FIR with .regard to the Tehelka matter. The FIR was not lodged by the CBI, and, so, he filed the matter in the court as to why the CBI *...(Interruptions)...*

श्री एस.एस.अहलुवालिया (झारखंड) . यह बहस का मुद्दा नही है... क्या आप मे बहस कर रहे है ? **...(व्यवधान)...**

MR. CHAIRMAN: How are you raising this point? You have not taken permission from me. *...(Interruptions)...*

SHRI KAPIL SIBAL: Sir, I am seeking your permission. ... *(Interruptions)...* Sir, the court has issued a notice.

MR. CHAIRMAN: No; no. *...(Interruptions)...* I have not permitted you. *...(Interruptions)...* Mr. Sibal. I have not permitted you.... *(Interruptions)..* .1. have permitted Shri Suresh Pachouri. *...(Interruptions)...*

SHRI KAPIL SIBAL: Sir, this is a very important issue.

MR. CHAIRMAN: I have not permitted you. You cannot mix up two things. *...(Interruptions)... No;* no. *...(Interruptions)...* I have permitted Shri Suresh Pachouri. *...(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरीः सर, वे यह कह रहे है कि दिल्ली हाई कोर्ट मे जो ट्रायल कोर्ट है, उसने श्री जार्ज फर्नान्डीज के खिलाफ केस रजिस्टर करने के लिए सी.बी.आई. को डायरेक्ट किया है । **...(व्यवधान)...**

श्री एस.एस. अहलुवालियाः दिल्ली हाई कोर्ट का सवाल यहां कहां से आ गया ? आप तो ताबूत की बात कर रहे थे, ताबूत की ही बात कीजिए । सभापति महोदय, दिल्ली हाई कोर्ट कि बात या सिप्रीम कोर्ट की बात यहां **...(व्यवधान)...**

श्री सुरेश पचौरीः महोदय, उन्होने मिस्टर पंडित के नाम पर जो सेंसेटिव डॉक्युमेंट दिए , वे डॉक्युमेंट उन्होने क्यों दिए ? इस बात की जांच की जाए और उनके खिलाफ केस रजिस्टर किया जाए । महोदय, सी.बी.आई. प्रधान मंत्री के अंतर्गत आती है इसलिए प्रधान मंत्री बताएं कि वे इस संबंध मे उनके खिलाफ केस रजिस्टर करने जा रहे है या नही ? रक्षा मंत्रालय

मे बहुत अक्षम्य अनियमितताएं हो रही है । रोजाना भ्रष्टाचार की परते खुल रही है । यह बहुत गंभीर मामला है । **...(व्यवधान)...**महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है । अभी तक मामला ताबूत खरीदी मे हुए घपले का था और अब यह मामला दिल्ली हाई कोर्ट मे जार्ज फर्नान्डीजके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलो को रजिस्टर के मामलो को रजिस्टर करने का है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए **...(व्यवधान) ...**

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Sir, a very serious development has taken place. *...(Interruptions)...* Sir, the Prime Minister should come and make a statement here. *...(Interruptions)...* This is not a very simple thing. *...(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरीः मान्यवर, भ्रष्टाचार की सारी हदे और सारी मर्यादाएं तोड़ दी गई है । रक्षा मंत्रालय मे जिस प्रकार का भ्रष्टाचार हो रहा है, उससे भ्रष्टाचार की सारी परतें खुल गई है । **...(व्यावधान)**...

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. *...(Interruptions)...* Nothing will go on record. *...(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरीः मान्यवर, भ्रष्टाचार के मामले के प्रकाश मे आ रहे है । शहीदो की आत्माएं इस सरकार को कोसती रहेंगी,आजन्म कोसती रहेंगी । वे इस सरकार को कभी माफ नही करेंगी जितना भ्रष्टाचार उन्होने किया है । ...**(व्यवधान)**... मान्यवर, सी.बी.आई. को निर्देशित किया गया है कि वह जार्ज फर्नान्डीज के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा चलाए ।

MR. CHAIRMAN: Do you want to say something?...*(Interruptions)...*

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERNANDES): Yes, Sir... *(Interruptions)...*

SHRI NILOTPAL BASU: No, *no ...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: He has a right to say...*(Interruptions)...* The Minister has a right to reply...*(Interruptions)...* The Minister has a right to say...*(Interruptions)...* He has a right to say...*(Interruptions)...*

SHRI NILOTPAL BASU: Mr. Chairman, Sir, the Prime Minister should cpme to clarify. *...(Interruptions)...* We do not recognise him.. *(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: The Minister has a right to say...*l/nterruptions)...* He has a right to say...*(Interruptions)...* The Minister has a right to reply...*(Interruptions)...* Nothing will go on record except what the Minister says..*(Interruptions)...* Mr. Suresh Pachouri has said something, and he has a right to reply...*(Interruptions)...*

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI O. RAJAGOPAL): If they are not prepared to hear the Defence

Minister's reply, then, all those mentions should be expunged.. *(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Mr. Pachouri, you have spoken...*(Interruptions)...* Nothing will go on record..*(Interruptions)...* Mr. Pachouri, you have made your submission.. *(Interruptions)...*

SHRI KAPIL SIBAL: The Prime Minister must come.

MR. CHAIRMAN: He has a right to say...*(Interruptions)...* Nothing else will go on record except the Minister's reply...*(Interruptions)...* Nothing else will go on record. Only Minister's reply will go on record.. *(Interruptions)...*

You have spoken. Now, he has a right. He wants to say something. *...(Interruptions)...* No; nothing. *...(Interruptions)...*

श्री जार्ज फर्नान्डीजः सभापति जी...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: The Minister has a right to reply.

...(Interruptions)... Mr. Suresh Pachouri has said something. He has referred to him. The Minister has a right to reply. *...(Interruptions)...*आप का हो गया ...(**व्यवधान**)... Nothing will go on record. First he will reply and then other things will be taken. *...(Interruptions)...* No; nothing. Mr. Pachouri had asked for my permission, and I gave him permission. And, while he was speaking, the hon. Minister was present; according to the rule, he has a right to reply. *...(Interruptions)...* I have not permitted anybody else. *...(Interruptions)...* The Chair's ruling cannot be challenged. I have permitted him, *...(Interruptions)...* and he has a right to reply. Then, other things will follow. *...(Interruptions)...* Nothing will go on record. *...(Interruptions)...*

Nothing is going on record. *...(Interruptions)...*

Nothing, except the Minister, will go on record..*(Interruptions)...*

Nothing is going on record. Nothing will go on record. *...(Interruptions)...* Only the Minister will speak. *...(Interruptions)...* Let the Minister speak. *...(Interruptions)...*

SHRI GEORGE FERNANDES: Sir,.. *(Interruptions)...* The Chair should defend me. *...(Interruptions)...* Sir, you should protect me. *...(Interruptions)...* Where should I go? You are asking *me...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Please sit down, all of you. He is the Minister. Let him speak. *...(Interruptions)...* I have already given my ruling. Mr. Suresh

Pachouri has spoken. Now, the Minister is there to reply. *...(Interruptions)...* Nothing else will go on record. *...(Interruptions)...*

Nothing will go on record. *...(Interruptions)... No* slogans, please..*(Interruptions)...* Nothing will go on record. *...(Interruptions)...*

SHRI GEORGE FERNANDES: Sir, you have allowed me to speak. *...(Interruptions)...* Sir, you have to protect me. *...(Interruptions)...* Please restore order in the House. *...(Interruptions)...* Sir, I want to make a submission before you. *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Nothing is going on record except the Minister. *...(Interruptions)...* The House is adjourned for fifteen minutes.

The House then adjourned at forty minutes past twelve of the clock.

The House reassembled at fifty-five minutes past twelve of the clock,

[Mr. Chairman in the Chair]

MR. CHAIRMAN: Mr. George Fernandes. *...(Interruptions)...*

SHRI KAPIL SIBAL: Mr. Chairman, Sir, if you permit me, I just want to make a statement. *...(Interruptions)...* I want to put it on record *...(Interruptions)...*

श्री जार्ज फर्नान्डीज :सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए कहा है, मै खड़ा हूं **...(व्यवधान)...** आप मेरी तरफ देख ही नही रहे है**...(व्यवधान)...**

SHRI KAPIL SIBAL: Sir, I want to make a statement. *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Let him say. *...(Interruptions)...* I will hear you. *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: What he is going to say is *...(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरीः आप चेयरमैन के आदेश को क्यों नही मान रहे है ? पर उपदेश कुशल बहुतेरे। अब तो चेयरमैन साहब की बात सुनिए **...(व्यवधान)...**

SHRI KAPIL SIBAL: Our point is very clear. *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: I have called him. *...(Interruptions)...* I have already called him...*(Interruptions)...*

1.00 P.M.

SHIR KARL SIBAL: Sir, I just want to make a statement on record. *...(Interruptions)...* It has gone on record that we are defying your ruling. *...(Interruptions)...* No. We have great respect for your ruling. *...(Interruptions)...* We are not interested in defying your ruling. *...(Interruptions)...* We just want to say that since the Opposition does not recognise him as the Defence Minister of the country, we are walking out. *...(Interruptions)...*

(At this stage some hon. Members left the Chamber.)

श्री जार्ज फर्नान्डीजः सभापति महोदय, हमारी सेना के लिए जो कैस्केटस खरीदे गए थे, उसके बारे मे मैने आज सुबह अखबार मे एक खबर पढ़ी । इन्हे लेकर एक लंबा विवाद भी चला था । इस मामले की जांच कम्प्ट्रोलर ऍड ओडिटर जनरल ने की थी ।और उनकी रिपोर्ट आ गई थी । इस रिपोर्ट पर हमे कुछ आपत्तियां उठाई थी । आज यह सारा मामला संसद के सामने है । पी.ए.सी. इस मामले की जांच कर रही है और उसकी रिपोर्ट अभी आनी है । मोहदय, ऍसे जो भी मामले होते है, कौन सी चीज कितने मे खरीदी गई , उसमे गया गलतियां हुई या उसमे कोई गलत काम हो गया, इन सारी चीजो की जांच सी.बी.सी. के जरिए होती है । इसी तरह कम्प्ट्रोलर ऍड ओडिटर जनरल को भी अधिकार है हर चीज को रखने का, देखने का और अपनी रिपोर्ट देने का ।

सभापति जी, कैस्केट्स को लेकर जो बात चल रही है, इस सदन मे भी सदस्यो ने बार-बार यह बात कही कि भारी पैसा देकर 500 कैस्केट्स खरीदी गई है । पहली बात यह है कि 500 कैस्केट्स नही खरीदी गई है । जो ऑर्डर दिया गया था वह केवल 150 कैस्केट्स के लिए था । जिस जगह पर इनको रखने की व्यवस्था होती है, वे कैस्केट्स आज भी वहां पड़ी हुई है । उनका इस्तेमाल अभी तक नही हुआ है । एक बात बार-बार कही जा रही है कि कारगिल के शहीदो के लिए ये कैस्केट्स मंगाई थी । मै यह साफ कर देना चाहता हूं कि कारगिल युध्द के बहुत बाद ये कैस्केट्स आई थी । अतः मै यह साफ कर देना चाहता हूं कि कारगिल युद्ध के बहुत बाद ये कैस्केट्स आई थी। ये कारगिल युध्द के समय इस्तेमाल मे लाई हुई कैस्केट्स नही है । इस तरह बिना किसी जानकारी के अनेक किस्म की बातें कही जाती है, कि जवानो के खून के ऊपर कई लोगो ने पैसा बनाया है इस तरह की बातें अंटसंट ढ़ंग से कही जाती है,जो कि नही कहनी चाहिए ।

अब यहां जो सवाल आज के दिन उठा है, मैने जब आज सुबह अखबार पढ़ा और जैसे ही मै दफ्तर पहुंच गया तो मैने दो-तीन बातो का वहां पर फैसला लिया । पहला, आर्मी हैडक्वार्टर से फिर एक बार इन सारी चीजों के बारे मे पूछताछ हो जाए और उनकी रिपोर्ट मंगाई जाए । दूसरे, हमारे मंत्रालय के अंदर भी इसके बारे मे जांच हो जाए और जो भी उनको कहना है, वह सब हमारे सामने आ जाए । तीसरी बात, जिनसे इनको खरीदा गया है, उनसे अगर सम्पर्क करना हो तो उनसे सम्पर्क करके उनकी इस बारे मे क्या टिप्पणी है, उसको मंगाया जाए और चौथी बात, जब इन कैस्केट्स को लेकर विवाद चला था तो वाशिंगटन मे जो हमारा दूतावास है उससे भी सच्चाई को पाने के लिए मदद ली जाए और उन्होने भी उसमे काफी काम किया था और हमारे कार्यालय को यह कहा कि हमारे दूतावास मे हमारे राजदूत से भी सम्पर्क किया जाए और

उन्हे इस बारे मे हमे जो बताना है, वह बताया जाए । जब यहां पर सुबह है तो वहां पर रात है । यहां अभी दिन के 11 बजे है तो पता नही वहां रात के कितने बजे होंगे । इसलिए वहां से रिपोर्ट आने मे कुछ समय लगना है , क्योंकि हम जिनसे रिपोर्ट मांगेंगे उनके हाथ मे तत्काल कोई ऐसी चीज नही है कि वह बटन दबाकर किसी कम्प्यूटर से इसको निकाल सकते है, उनको भी तो पूछताछ करनी होगी । जैसे ही वह रिपोर्ट हमारे पास आ जाएगी हम उसे पार्लियामेंट की पी.ए.सी. के सामने रखेंगे और अगर सदन उसको अलग से देखना चाहे तो हम सदन के सामने उसको रखने के लिए तैयार है, इसमे हमें कोई आपत्ति नही है । चूंकि मुझे यह नही मालूम कि यहा क्या-क्या आरोप लगाए है, क्या-क्या बातें कही गई है उनको यहां पर मै बिल्कुल ही नही सुन पाया । हंगामा शुरू होने से पहले केवल 500 कैस्केट्स कहने की बात हमने सुनी थी । तो वह एक आंकड़ा हम समझ गए । बाकी यहां क्या कहा गया उसको हम स्पष्ट रूप से नही सुन पाए ,न समझ पाए । इसलिए रिकार्ड देखने के पश्चात ही मुझे अधिकार होना चहिए कि अगर कोई गलत बात उसमे कही गई हो, किसी प्रकार का आरोप हमारे ऊपर किया हो, बेबुनियाद आरोप हमारे बारे मे कही गई हो, सरकार के बारे मे कही गई हो, सेना के बारे मे कही गई हो, हमारे मंत्रालय के बारे मे कहीं गई हो तो उनका जवाब देने के लिए हमें अधिकार होना चहिए, यह मेरी आपसे प्रार्थना है । इससे अधिक मुझे कुछ नही कहना है । मै आपको धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे समय दिया ।

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

THE VICE-PRESIDENT'S PENSION (AMENDMENT) BILL, 2002

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha signed by the Secretary-General of the Lok Sabha:-

"In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Vice-President's Pension (Amendment) Bill, 2002, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 7th May, 2002.

2. The Deputy Speaker has under article 95(1) of the Constitution certified that this Bill is a Money Bill wijhin the meaning of article 110 of the Constitution of India."

Sir, I lay a copy of the Bill on the Table of the House.

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned for lunch for one hour. The House then adjourned for lunch at three minutes past one of the clock